भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारंकित प्रश्न संख्या-2409
उत्तर देने की तारीख-18/12/2023

शिक्षार्थियों को कुशल बनाना

†2409. श्री एस. जगतरक्षकनः

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2025 तक स्कूलों और उच्च शिक्षा प्रणालियों में कम से कम 50 प्रतिशत शिक्षार्थियों को कुशल बनाने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कोई कार्य/योजना तैयार की है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (ग): एनईपी 2020 में सिफारिश की गई है कि 2025 तक, स्कूल और उच्चतर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से पढ़ने वाले कम से कम 50% शिक्षार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव होगा।

सरकार ने एनईपी 2020 की सिफारिशों के अनुसरण में स्कूलों में व्यावसायिक क्षमताओं के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं। केन्द्रीय प्रायोजित योजना 'समग्र शिक्षा' के व्यावसायिक शिक्षा घटक के अंतर्गत इस योजना के अंतर्गत शामिल स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की कक्षाओं के विद्यार्थियों को राज्य द्वारा राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है। माध्यमिक स्तर पर, अर्थात कक्षा 9 और 10 में छात्रों को एक अतिरिक्त विषय के रूप में व्यावसायिक मॉड्यूल प्रस्तुत किए जाते हैं। वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर, अर्थात कक्षा 11 और 12 में, व्यावसायिक पाठ्यक्रम एक अनिवार्य (वैकल्पिक) विषय के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र अपने-अपने कौशल अंतर विश्लेषण के अनुसार अब 22 क्षेत्रों में 88 नौकरी की भूमिकाओं का विकल्प चुन सकते हैं। स्कूलों और डीआईईटीएस में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ व्यावसायिक या कौशल प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए सहायता भी प्रदान की जाती है। समग्र शिक्षा की मौजूदा योजना को नया रूप दिया गया है और व्यावसायिक शिक्षा से संबंधित विभिन्न नए कार्यकलापों जैसे इंटर्नशिप, बैगलेस डे, उच्च प्राथमिक स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव आदि को सहायता प्रदान की जा रही है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के साथ समन्वय में, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग स्कूल शिक्षा क्षेत्र में पीएमकेवीवाई 4.0 को लागू कर रहा है।. इसके अलावा, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग उद्योग के साथ साझेदारी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वर्चुअल रियलिटी जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में छात्रों के ज्ञान और प्रदर्शन को बढ़ावा दे रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में विकसित स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा में यह निर्धारित किया गया है कि स्कूलों को छात्रों को विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए एक व्यापक और अनुभवात्मक जानकारी प्रदान करना चाहिए और व्यावहारिक दक्षताओं का एक गहरा और परिभाषित सेट विकसित करना चाहिए।

उच्चतर शिक्षा विभाग ने छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय इंटर्नशिप पोर्टल शुरू किया है। इसने छात्रों को एम्बेडेड इंजीनियरिंग, एआई, रोबोटिक्स, वेब विकास, शहरी शासन आदि जैसे विभिन्न डोमेन में अपने कौशल को बढ़ाने का अवसर प्रदान किया। पोर्टल पर 10,500 से अधिक कॉलेज, 75,000 कंपनियां और 1.97 करोड़ छात्र पंजीकृत हैं और 29.5 लाख इंटर्नशिप प्रस्तावित हैं।

इसके अलावा, सभी हितधारकों द्वारा सभी आयामों अर्थात् अकादमिक, व्यावसायिक कौशल और प्रासंगिक अनुभवों और प्रवीणता/व्यावसायिक स्तरों सहित अनुभवात्मक अधिगम को एकीकृत करने के लिए राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

****